तापमान

अधिकतम 32.2 डिग्री

न्यूनतम 21.6 डिग्री

हरिभूमि

महासमुंद भूमि

रायपुर, शुक्रवार 20 मार्च 2026

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

नवरात्रि विशेष

द्वितीयः ब्रह्मचारिणी

देवी भगवती का दूसरा स्वरुप ब्रह्मचारिणी मां का है। दूसरे नवरात्रि को ब्रह्मचारिणी मां की पूजा होती है। ब्रह्मांड को जन्म देने के कारण ही देवी का दूसरा स्वरुप ब्रह्मचारिणी कहलाया। देवी की यहीं आद्या शक्ति है। यहां ब्रह्म शब्द का रुप तपस्या है। ब्रह्मचारिणी अर्थात तप की चारिणी। कथा है कि सृष्टि उत्पत्ति के समय ब्रह्माजी ने मानष पुत्रों को जन्म दिया पर वे कालातीत होते रहे। सृष्टि का विकास नहीं हो सका। अचंभित ब्रह्माजी ने सदाशिव से पूछा कि ऐसा क्यों। शिवजी ने कहा कि देवी शक्ति के बिना यह असंभव है। सब देवता देवी की शरण में गए। इस पर ब्रह्मचारिणी ने सृष्टि का विस्तार किया है। इसी के बाद नारी शक्ति को मां का स्थान मिला है। मां के इस रुप की आराधना का मंत्र है-

दधाना
करपद्माभ्यामक्षमालाकमंडलू।
देवि प्रसीदतु मयि
ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

जिले में 4598 हितग्राहियों को अब तक नहीं मिला सोलर योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

पीएम सूर्यघर योजना के आवेदक अब भी अपने घर की छतों में सोलर पैनल लगने की राह देख रहे हैं। गर्मी के आगमन के साथ लोगों के घरों में बिजली के बिल में बढोत्तरी की आशंका को लेकर अब तक 7146 लोगों ने आवेदन तो किए लेकिन अब तक इस योजना का लाभ जिले में केवल 2548 हितग्राहियों को मिल पाया है। 4598 आवेदक अब भी सौर ऊर्जा के लिए पैनल स्थापना की राह देख रहे हैं।

आवेदन करने वालों के आवेदन और बैंक चयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया काफी धीमी है। हितग्राहियों का कहना है कि कई महीनों से वे इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। पीएम सूर्यघर योजना का उद्देश्य आम जनता को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना है, लेकिन जिले में इसकी धीमी प्रगति योजना के लक्ष्य को प्रभावित कर रही है। समय रहते प्रक्रिया में सुधार नहीं हुआ, तो योजना के प्रति लोगों का भरोसा कमजोर पड़ेगा।

धीमी प्रक्रिया से बढ़ी नाराजगी, महीनों कर रहे इंतजार, पर कोई प्रगति नहीं

सब्सिडी प्रक्रिया बनी बाधा

जानकारों के अनुसार, योजना की धीमी प्रगति का मुख्य कारण सब्सिडी भुगतान में देरी है। नए उपभोक्ताओं को जोड़ने और राशि जारी करने की प्रक्रिया समय ले रही है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। योजना के तहत 5 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर करीब 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है, लेकिन इसके वितरण में हो रही देरी से हितग्राही परेशान हैं।

विभागीय प्रयास जारी

विभाग द्वारा योजना के प्रचार-प्रसार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शहर में सोलर पैनल लगाने वाली कई एजेंसियां भी सक्रिय हैं, लेकिन धीमी प्रशासनिक प्रक्रिया के चलते कार्य अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं और आने वाले समय में अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाया जाएगा।

लक्ष्य और वास्तविकता में अंतर

जिले को इस योजना के तहत 10 हजार सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य दिया गया है, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए लक्ष्य से काफी पीछे चल रहे हैं। आवेदन की रफ्तार पहले की तुलना में धीमी पड़ गई है और लोगों का उत्साह भी कम होता नजर आ रहा है।

पर्व : चैत्र नवरात्र के शुभारंभ पर देवी मंदिरों में रही भीड़

देवी मंदिरों में जले आस्था के ज्योत हिंदू नववर्ष पर निकली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

हिंदू नववर्ष व चैत्र नवरात्र बुधवार से शुरू हो गया। अबूझ मुहुर्त में कुलदेवी मां महामाया मंदिर में पुजारी सहित अन्य श्रद्धालुओं की उपस्थिति नें मुख्य ज्योत प्रज्ज्वलित की गई।

बाद अन्य सभी मनोकामना ज्योति प्रज्ज्वलित हुई। सुबह से ही माता दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। इसके अलावा जिले के प्रमुख देवी स्थलों बेमचा खल्लारी, बिरकोनी चंडी,

भीमखोज खल्लारी, घुंचापाली चंडी, शारदा मंदिर, रामेश्वरी मंदिर, बमलेश्वरी मंदिर और चंपई मंदिरों में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। इन मंदिरों में न केवल स्थानीय बल्कि आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। नवरात्र के दौरान मंदिरों में सेवा गीतों, जस गीतों और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। सुबह से देर रात तक पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला जारी रहेगा।

आकर्षक आतिशबाजी के साथ होगा नववर्ष का अभिनंदन

हिंदू नववर्ष पर चैत्र प्रतिपदा के अवसर पर हिन्दू नवर्ष उत्सव समिति द्वारा गुरुवार को शहर के तुमगांव रोड स्थित शारदा मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। तत्संबंध में पूर्व में हुई हिंदू नववर्ष उत्सव समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार भव्य शोभा यात्रा, आतिशबाजी व भजन मंडलियों व आकर्षक झांकी के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। संध्या 4 बजे शारदा मंदिर से प्रारंभ होकर मां दुर्गा भवानी मंदिर पहुंची। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों ओवरब्रिज एकता चौक, बग्गा स्टोर्स चौक, स्वामी चौक, कांग्रेस भवन चौक एवं कचहरी चौक के रास्ते बरोंडा चौक में

संपन्न होगी। मार्ग में विभिन्न चौक-चौराहों पर श्रद्धालुओं व सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत, पुष्प वर्षा एवं आकर्षक आतिशबाजी के साथ नववर्ष का अभिनंदन किया गया। शोभायात्रा के दौरान आरंग का पारंपरिक सुआ नृत्य, पंथी नृत्य, राऊत नाचा, भिलाई की भजन मंडलियों का रोड शो, महाकाल समिति का डमरू वादन तथा गुरुकुल आश्रम कोसरंगी के बटुकों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही आधुनिकता का तड़का लगाते हुए डीजे साउंड और रंग-बिरंगी आतिशबाजी पूरे आयोजन को और भी भव्य बना दिया।

सिंधी समाज ने चेट्रीचंड पर्व पर निकाली भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

सिंधी समाज के प्रमुख पर्व चेटीचंड के

अवसर पर शहर में भक्ति और उत्साह का माहौल है। भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 19 मार्च को भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

मिली जानकारी के अनुसार सिंधी पंचायत, नवयुवक सेवा समिति, झूलेलाल सेवा समिति एवं सिंधु महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों में समाज के हर वर्ग बच्चे, युवा और बुजुर्ग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं, जिससे पूरे शहर में उल्लास का वातावरण है।

भजनों के साथ नगर भ्रमण

आयोजन समिति के मुताबिक, कार्यक्रमों की शुरुआत 15 मार्च से प्रभात फेरियों के साथ हो चुकी है। ये प्रभात फेरियां शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों बस स्टैंड, गांधी चौक, नेहरू चौक सहित अन्य स्थानों से गुजरते हुए लोगों को धर्म और संस्कृति से जोड़ रही हैं। श्रद्धालु भगवान झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए और भजनों की मधुर प्रस्तुति देते हुए नगर भ्रमण कर रहे हैं।

शोभायात्रा का विशेष आकर्षण

शुक्रवार को निकाली जाने वाली शोभायात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। इसमें सजे-धजे रथ, झांकियां और पारंपरिक परिधान में शामिल श्रद्धालु धार्मिक वातावरण को और भी भव्य बनाएंगे। शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए गुरुद्वारा साहिब पहुंचेगी, जहां संगत द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा।

धार्मिक अनुष्ठान और प्रसादी वितरण

गुरुद्वारा पहुंचने पर श्रद्धालु गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर लंगर एवं प्रसादी का वितरण भी किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें युवाओं और महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी रहती है।

शाम को होगा विशेष कार्यक्रम

उसी दिन शाम को सिंधी भवन में विशेष धार्मिक अनुष्ठान एवं भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण, जून तक पूरा करने के निर्देश

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज भवन का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए है कि किसी भी स्थिति में मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण कार्य आगामी जून माह तक पूर्ण किया जाए।

इस दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि मेडिकल कॉलेज भवन का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस पर कलेक्टर ने संतोष व्यक्त करते हुए शेष कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने परिसर में निर्माणाधीन विभिन्न घटकों में मेडिकल कॉलेज भवन, डॉक्टर एवं स्टाफ क्वार्टर, गर्ल्स एवं बॉयज़ हॉस्टल, प्रशासनिक कार्यालय तथा फैकल्टी कार्यालय का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने, समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने तथा कार्य में और अधिक गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने तथा निर्माण एजेंसी को पर्याप्त श्रमिकों और आवश्यक निर्माण सामग्री उपलब्ध रखने के निर्देश दिए, ताकि कार्य निर्धारित समय में पूर्ण हो सके। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत खरोरा की सरपंच वीणा चंद्राकर ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर से अप्रोच रोड निर्माण की मांग रखी। इस पर कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि उक्त कार्य को शासन स्तर पर शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र के किसानों एवं आमजन को आवागमन में सुविधा मिल सके। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव मौजूद रहे।

नगर में आरएसएस का वर्ष प्रतिपदा उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बागबाहरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बागबाहरा नगर इकाई द्वारा संघ स्थान पर वर्ष प्रतिपदा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया, जो संघ के शताब्दी वर्ष के उत्साह को दर्शाता है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में संघ के महासमुंद जिला पर्यावरण प्रमुख नंदूराम निर्मलकर उपस्थित हुए। उन्होंने संघ के प्रथम उत्सव वर्ष प्रतिपदा उत्सव के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। निर्मलकर ने बताया कि वर्ष प्रतिपदा हिंदू नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है, जो संघ की स्थापना के प्रथम वर्ष से जुड़ा हुआ है। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष (1925-2025) में आयोजित होने वाले संपूर्ण कार्यक्रमों के उद्देश्यों को स्पष्ट किया, जिसमें राष्ट्र निर्माण, सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रमुख लक्ष्य शामिल हैं। निर्मलकर ने स्वयंसेवकों को परिवार भाव से समाज सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, परिवार भाव ही समाज को मजबूत बनाता है।

संघ का प्रत्येक कार्य इसी भावना से प्रेरित है, जो व्यक्तिगत से सामाजिक उत्थान तक फैला हुआ है। शताब्दी वर्ष में ये कार्यक्रम हमें अपनी जड़ों से जोड़ेंगे और राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उत्सव के दौरान पारंपरिक पूजन-अर्चना, संघ प्रार्थना, गीत, सुभाषित, अमृतवचन और व्यक्तिगत गीत आयोजित किए गए। स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए वृक्षारोपण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र भक्ति एवं ओज पूर्ण जय घोष के साथ हुआ। आरएसएस बागबाहरा नगर इकाई के शाखा कार्यवाह परमानंद चंद्राकर ने बताया कि इस तरह के आयोजन संघ में नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, ताकि युवा पीढ़ी संघ के आदर्शों से जुड़े। स्थानीय निवासियों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम समापन के पश्चात सभी स्वयंसेवकों द्वारा स्वागत है। हिंदू नववर्ष का स्वागत है तथा भारतमाता की जय धोष के साथ नगर भ्रमण करते हुए सभी नगर वासियों को हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सायं 05 बजे आयोजित होनेवाली मोटर साइकिल रैली के आमंत्रित किया गया।

खबर संक्षेप

हादसे में अधेड़ की मौत

महासमुंद। अज्ञात वाहन की टक्कर से एक अधेड़ की मौत के मामले में बसना थाने में आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि जनक नाग पिता बुडो नाग (52 साल) तोषगांव थाना बसना 08 मार्च को अलेख प्रधान के घर शादी समारोह में शामिल होने गया था। रात्रि करीबन 9.30 बजे पैदल अपने घर वापस आ रहा था। सतपत पब्लिक स्कूल तोषगांव के सामने पहुंचने पर पीछे से आ रहे किसी अज्ञात वाहन के चालक द्वारा अपने वाहन को तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया जिससे जनक नाग की मृत्यु हो गई। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी अज्ञात वाहन चालक के विरूद्ध धारा 106(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

खेत में मिली शराब अज्ञात के खिलाफ जुर्म

महासमुंद। पिथौरा पुलिस ने बरतुंगा ढाबा/होटल के खेत में अवैध रूप से रखी गई शराब को जब्त कर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि बरतुंगा ढाबा/होटल के बगल खेत में लावरिस हालत में एक काले रंग का थैला मिला, जिसमें से 35 नग शोले देशी प्लेन शराब कीमत 2800 रुपए व 03 नग व्हिस्की शराब कीमत 360 रुपए को बरामद कर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

पति और जेठ ने महिला से की मारपीट

महासमुंद। महिला के साथ पति और जेठ द्वारा मारपीट किए जाने के मामले में पटेवा थाने में आरोपियों के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को छिंदौली निवासी पूर्णिमा जोगी ने बताया कि 18 मार्च को घर में करीबन 11.30 बजे मैं अपने बच्चों को स्कूल से आने के बाद खाना दे रही थी, उसी समय जेठ घनश्याम जोगी आया और घरेलू बात को लेकर गाली गलौज करने लगा। इसी दौरान उसके पति ने भी आकर हमारे सामने जुबान चलाती हो कहकर गाली गलौज करने लगा। बाद उसका पति देवकुमार जोगी हाथ मुक्का से तथा जेठ घनश्याम जोगी खपरैल से मारपीट करने लगा।

नपाध्यक्ष निखिलकांत ने एक वर्ष के कार्यकाल का दिया ब्यौरा

जनसेवा, पारदर्शिता और विकास पर रहा जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

नगरपालिका अध्यक्ष के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर नपाध्यक्ष निखिलकांत साहू ने आहूत प्रेस वार्ता के दौरान कहा है कि यह अवधि जनसेवा, पारदर्शिता और विकास के नए आयाम स्थापित करने वाली साबित हुई है।

इस एक वर्ष में हमारा प्रमुख उद्देश्य जनता की गाढ़ी कमाई को शहर विकास और व्यवस्था में सुरक्षित रखना रहा। वित्तीय अनुशासन को मजबूत करते हुए अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण किया गया और प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई। परिणामस्वरूप शहरवासियों द्वारा टैक्स के रुप में दी जाने वाली उनकी गाढ़ी कमाई के हिस्सा आज नगरपालिका की नई टीम के हाथों सुरक्षित है और जनता का विश्वास पहले से अधिक मजबूत हुआ है।

नगर पालिका को डिजिटल दिशा में आगे बढ़ाते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अब हमारा नगर पालिका तेजी से डिजिटल हो रहा है, जिससे नागरिकों को सेवाएं सरल, तेज और पारदर्शी रूप में उपलब्ध हो रही हैं। उन्होनें कहा है कि हमारी पालिका किसी भी अन्य नगरीय निकाय से पीछे नहीं है, बल्कि अपने कार्यों और नवाचारों के कारण समूचे प्रदेश में अपनी एक अलग पहचान और सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर रहा है। नपाध्यक्ष निखिलकांत साहू ने कहा है कि यह उपलब्धियाँ नगरवासियों के सहयोग और विश्वास का परिणाम हैं। आगे भी हम इसी प्रतिबद्धता के साथ नगर के सर्वांगीण विकास और नागरिकों की सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। इस दौरान नगर पालिका के सभी सभापति और कांग्रेसी पार्षदगण मौजूद रहे।

वाहन विभाग में सुविधाओं की बढ़ोत्तरी की जानकारी देते हुए साहू ने कहा कि नपा में वाहनों की संख्या 16 से 25 हुई है वहीं इसके बावजूद डीजल व्यय में 60 फीसदी कटौती हुई है। खर्च में कमी के बाद भी शहर में व्यवस्था को लेकर आने वाली शिकायतें घटी हैं। सफाई के लिए शहर के प्रत्येक वार्ड में 2 कर्मचारियों को नियुक्ति कर पार्षदों द्वारा इसकी मॉनिटररिंग की जा रही है। वहीं वर्षों से जाम हुई नालियों की सफाई और सभी पानी टंकियों की सफाई कराई गई।

सड़क दुर्घटना में मंडी उपनिरीक्षक मृत

महासमुंद। अज्ञात वाहन की चपेट से साराडीह मोड़ के पास एक बार फिर दुर्घटना में बुधवार शाम एक अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग को चपेट में ले लिया। जिसमें दोपहिया चालक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रायपुर रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अछरीडीह तुमगांव निवासी कृषि उपज मंडी में पदस्थ उपनिरीक्षक कमलनारायण साहू (60) बुधवार को भाई पोषण साहू के साथ बाइक पर सवार होकर अछरीडीह से महासमुंद आ रहे थे। देर शाम करीब 7:30 बजे खरोरा-साराडीह मोड़ पर अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया और फरार हो गया। इस हादसे में कमलनारायण साहू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे में घायल पोषण साहू को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार कर उनकी गंभीर अवस्था को देखते हुए रायपुर रेफर कर दिया। वहीं मृतक के शव को पीएम पश्चात उनके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

महिला और उसके परिजनों से मारपीट

महासमुंद। ग्राम बडेटेमरी में महिला और उसके परिजनों से मारपीट के मामले में आरोपियों के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को गायत्री पटेल ने बताया कि वह बडेडाभा का रहने वाली है। उसका पति मुरलीधर के द्वारा प्रताड़ना के मामले में केस चल रहा है। जिसकी पेशी के लिए सरायपाली जा रही थी, तभी उसे पता चला कि उसके पति ने दूसरी पत्नी रख ली है। इसके बाद वे लोग 17 मार्च को दोपहर करीब एक बजे वह अपने भाई मनोज पटेल, अक्षय पटेल, मां गजमोती पटेल के साथ अपने ससुराल बडेटेमरी गई। जहां देखा कि कुछ कार्यक्रम हो रहा था। जहां उसके पति मुरलीधर पटेल के साथ गजलाल पटेल, अनिल पटेल, जयदेव पटेल ने यहां क्यों आए हो कहकर गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। बीच बचाव करने आये उसके भाई मनोज पटेल, अक्षय पटेल व मां गजमोती के साथ भी मारपीट की गई। मामले की रिपोर्ट पर 115(2), 296, 3(5)-बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

खबर संक्षेप

जिला चिकित्सालय का नामकरण कौशिक के नाम पर किया गया

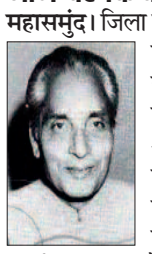

महासमुंद। जिला मुख्यालय महासमुंद स्थित छत्तीसगढ़ स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय पुरूषोत्तम लाल कौशिक की प्रतिमा का अनावरण किया था। जिसमें चंद्रनाहू कुर्मी समाज द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में महासमुंद के 100 बिस्तरों वाले जिला चिकित्सालय का नामकरण स्वर्गीय पुरूषोत्तम लाल कौशिक के नाम पर किए जाने की बात कही गई थी। मुकेश चंद्राकर ने कहा कि महासमुंद जिला चिकित्सालय में स्व पुरुषोत्तम लाल कौशिक का नाम मिट गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ कुर्मी समाज के लोगों से अनुरोध किया है कि पुरूषोत्तम लाल कौशिक का नाम संगमरमर पत्थर में अवश्य लिखा जाए।

नगर में आप ने निकाली सिलेंडर की शव यात्रा

महासमुंद। आम आदमी पार्टी ने प्रदेश में गहराते रसोई गैस संकट, कमर्शियल सिलेंडर की कमी और उससे प्रभावित आम जनजीवन व उद्योगों को लेकर भूपेन्द्र चंद्राकर प्रदेश उपाध्यक्ष, संजय यादव प्रदेश सह सचिव एवं राकेश झाबक जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में गैस सिलेंडर की शव यात्रा निकाली, जो महासमुंद के तुमगांव चौक से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होते हुए अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में तहसीलदार जुगल किशोर पटेल को कलेक्टर महासमुंद एवं पेट्रोलियम मंत्री हरदीपसिंह पूरी के नाम से ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने आज गैस सिलेंडर की अर्थी सजाकर चार कांधों में लाद कर नारे लगाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया।

यूपीएससी में चयनित संजय डहरिया का जिला स्तरीय सम्मान एवं मोटिवेशन कार्यक्रम कल

महासमुंद। जिला के यूपीएससी में जगह बनाने वाले संजय डहरिया का जिला स्तरीय सम्मान समारोह 21 मार्च शनिवार को 12 बजे टाउन हॉल महासमुंद में रखा गया है। जिसमें प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज, सर्व अजा समाज, अजाक्स, सर्व आदिवासी समाज, छत्तीसगढ़िया सर्व समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। आयोजन समिति के रेखराज बघेल ने बताया कि संजय डहरिया को आईएएस मिलने के साथ छत्तीसगढ़ कैडर आबंटित हो गई है। उन्होंने कड़े संघर्षों से जूझकर ये सफलता प्राप्त की है, इसलिए जिला के प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं छात्रों के लिए एक घंटे की मार्गदर्शन कार्यक्रम भी रखा गया है। जिसमें अधिक से अधिक युवाओं छात्रों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

धान खरीदी केंद्र में अनियमितता, वजन बढ़ाने के लिए धान में मिलाई जा रही मिट्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

खरोरा बसना स्थित धान खरीदी केंद्र में गंभीर अनियमितता सामने आई है। यहां वजन बढ़ाने के लिए धान में मिट्टी मिलाने का मामला उजागर हुआ है, जिससे शासन को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खरोरा बसना के धान खरीदी केंद्र में इन दिनों धान उठाव का कार्य अपने चरम पर है। इसी दौरान कुछ किसानों और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि केंद्र में धान के वजन को बढ़ाने के लिए उसमें मिट्टी तक मिलाई जा रही है। बताया जा रहा है कि धान खरीदी से लेकर उसके उठाव तक पूरे प्रक्रिया में अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। इस तरह की लापरवाही और गड़बड़ी से जहां एक ओर शासन को आर्थिक नुकसान हो सकता है, वहीं दूसरी ओर ईमानदारी से धान बेचने वाले किसानों के साथ भी अन्याय हो रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। धान खरीदी केंद्र में गड़बड़ी हो रही है, प्रशासन को तत्काल जांच कर कार्रवाई करनी चाहिए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और दोषियों पर कब तक कार्रवाई होती है।

बैठक : कलेक्टर ने की मातृ मृत्यु निगरानी, शिशु मृत्यु अंकेक्षण की समीक्षा

मानवीय संवेदना के साथ गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग केयर जरूरी : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

कलेक्टर विनय लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर मातृ मृत्यु निगरानी एवं प्रतिक्रिया तथा शिशु मृत्यु अंकेक्षण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए समयबद्ध, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर लंगेह ने निर्देश दिए कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाले प्रकरणों की समय पर पहचान कर उनका सतत फॉलोअप किया जाए। गर्भावस्था के साथ-साथ पोस्ट प्रेग्नेंसी (डिलीवरी के बाद) केयर पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की जटिलता को समय रहते नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार नियमित जांच, पोषण परामर्श एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए। बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से नर्सिंग केयर की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में मानवीय संवेदना का समावेश अनिवार्य है। उन्होंने निर्देशित किया कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए और उनकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। साथ ही उन्होंने कहा कि मरीजों को विशेष काउंसिलिंग की आवश्यकता होती है। अतः इसे व्यवहार में लाएं। भर्ती कक्ष में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर परिणाम के लिए समुदाय के साथ सतत भागीदारी भी आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि एंबुलेंस सेवा को भी ज्यादा सुलभ और लोगों की पहुंच तक आसानी से उपलब्ध कराया जाएगा।

समीक्षा के दौरान सीएमएचओ डॉ. आई. नागेश्वर राव ने बताया कि पिछले एक वर्ष में जिले में अब तक कुल 09 मातृ मृत्यु के प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनका विस्तृत ऑडिट किया गया है। कलेक्टर ने सभी मामलों का गहन विश्लेषण करते हुए कारणों की समीक्षा की। जिसमें लगभग 70 से 75 प्रतिशत मामलों में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी प्रमुख कारण रही है। इस पर उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में रेफरल सिस्टम को और मजबूत किया जाए, तथा समय पर उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों में उपचार सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर लंगेह ने कहा कि प्रत्येक मातृ एवं शिशु मृत्यु के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उसका वैज्ञानिक तरीके से अंकेक्षण किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि डेटा आधारित मॉनिटरिंग, नियमित समीक्षा एवं फील्ड स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आई नागेश्वर राव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीलू धृतलहरे, टीकाकरण अधिकारी अरविंद गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग के बीएमओ, चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामीण अंचल में प्रबंधन एवं उद्यमिता की ओर नारी शक्ति

बकरी पालन कार्य से जुड़ी 30 उत्कृष्ट महिला सदस्यों को दिया गया तकनीकी, प्रबंधन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण

महासमुंद। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के अंतर्गत

जिला महासमुंद में समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उन्हें प्रबंधन एवं उद्यमिता के क्षेत्र में स्थापित करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हेमंत नंदनवार के मार्गदर्शन में परंपरागत रूप से बकरी पालन कार्य से जुड़ी 30 उत्कृष्ट महिला सदस्यों का चयन कर उन्हें उन्नत तकनीकी, प्रबंधन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए दुर्ग जिले के अंजोरा स्थित दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय भेजा गया है। प्रशिक्षण 17 से 19 मार्च तक आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान महासमुंद की महिला हितग्राहियों को बकरी पालन की आधुनिक तकनीकों, व्यावसायिक प्रबंधन एवं उद्यमिता कौशल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। साथ ही महिलाओं ने अनुभवी वैज्ञानिकों एवं प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में क्षेत्र भ्रमण कर वास्तविक गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन भी किया। इस प्रशिक्षण से महिलाएं अपने कार्य में अधिक दक्ष बनेंगी, साथ ही सफल उद्यमी के रूप में स्थापित करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ करेंगी।

गढ़सिवनी स्कूल में शेड निर्माण भूमिपूजन के साथ स्वच्छता अभियान संदेश

महासमुंद। पदुमन सिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़सिवनी में ग्राम पंचायत योजना अंतर्गत विद्यालय प्रांगण में शेड निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्य एजेंसी ग्राम पंचायत द्वारा बताया गया कि 9 मीटर चौड़ा व 25 मीटर लंबा एक शेड का निर्माण किया जाएगा। इसके बनने से विद्यालय में बरसात धूप आदि समय में विभिन्न कार्यक्रम करने में सुविधा मिलेगा। भूमिपूजन पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी के दिशानिर्देश अनुसार उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं एसएमडीसी सदस्यों स्कूल स्टाफ व विद्यार्थियों ने मिलकर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना अंतर्गत विद्यालय परिसर की साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश देते हुए विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य योगेश्वरी राजेश साहू, सरपंच खेमलता ध्रुव, शारदा सोनकर अध्यक्ष एसएमडीसी, उपसरपंच रवि सोनकर, पंच हरि धोबी, संस्था से तुलेंद्र कुमार सागर प्राचार्य, व्याख्यातागण वोमन लाल ठाकुर, ममता शर्मा, रितेश कुमार जोशी, लक्ष्मी ठाकुर, कुसुम देवांगन, तारिणी साहू सहायक शिक्षक, शिक्षकगण लुकेश कुमार आवले, ऑफिस स्टाफ देऊक साहू, वेद प्रकाश शर्मा, हरिश्चंद्र साहू, मनीष भृंगराज भृत्य, विशेष सहयोगी मंथीर यादव व विद्यालयीन छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ।

मां दुर्गा मछुआरा सहकारी समिति ने उन्नत तकनीक, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज एवं परिपूरक आहार से उत्पादन में की तीन गुणा वृद्धि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले के विकासखंड बसना अंतर्गत ग्राम कुरचुंडी की मां दुर्गा मछुआरा सहकारी समिति मर्यादित आज ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में सफल मत्स्य व्यवसायी के रूप में उभर रहे हैं। इस समिति में कुल 52 सदस्य हैं, जिनमें 15 महिलाएं एवं 37 पुरुष शामिल हैं। लगभग 85 हेक्टेयर जल क्षेत्र में पिछले 15 वर्षों से निरंतर मत्स्य पालन कर यह समिति आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलतापूर्वक अग्रसर है।

समिति के सदस्य बताते है कि वे पहले खेती एवं मजदूरी पर निर्भर थे, जिससे उनकी आय सीमित थी और आर्थिक स्थिति कमजोर बनी रहती थी। लेकिन मत्स्य पालन को अपनाने के बाद आज उनकी आय में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। जहां पहले कुल उत्पादन 7 क्विंटल और आय लगभग एक लाख 5 हजार था, वहीं अब मत्स्य विभाग के सहयोग से उन्नत तकनीक, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज एवं परिपूरक आहार के उपयोग से उत्पादन बढ़कर 21 क्विंटल एवं आय 3 लाख 15 हजार रुपए तक पहुंच गई है। विभाग द्वारा समय-समय पर वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन का प्रशिक्षण, निरीक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के तहत जाल, आईस बॉक्स, मत्स्य बीज, सीफेक्स तथा मोटरसाइकिल अनुदान जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इन संसाधनों से उत्पादन बढ़ने के साथ मछलियों को लंबे समय तक ताजा रखने एवं दूरस्थ बाजारों तक पहुंचाने में भी सफलता मिली।

समिति के सदस्यों को एनएफडीपी पोर्टल में पंजीयन कर डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया तथा राज्य के बाहर शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से नई तकनीकों से अवगत कराया गया। इससे उनके ज्ञान एवं कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। मत्स्य पालन से जुड़ने के बाद समिति के सदस्यों के जीवन स्तर में अधिक सुधार देखने को मिला है। सदस्यों में आर्थिक तंगी दूर हुई है और आय का एक हिस्सा भविष्य की सुरक्षा के लिए बैंक में जमा किया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी ने महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया है। विभाग द्वारा समिति को उन्नत तकनीकों का और अधिक प्रशिक्षण देने, विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करने, सजावटी मछली पालन एवं मत्स्य बीज उत्पादन के क्षेत्र में विस्तार के लिए और अधिक प्रयास किए जा रहे हैं।

विकासखंड बसना के 14 बच्चों का जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

नवोदय विद्यालय का देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका : बीईओ जोल्हे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

विकासखंड बसना के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में कुल 14 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। चयनित विद्यार्थियों में शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली से प्रियांश साहू व जयंती नेताम, प्राथमिक शाला दुरूगपाली से मानवी प्रधान व तनीषा प्रधान, सरस्वती शिशु मंदिर रसोड़ा यवान टांडी, प्राथमिक शाला उमरिया से राज आर्यन बारीक, अल्फा ओमेगा भंवरपुर से राहुल मैत्री,तुषार चौधरी, आरव पटेल, सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर से निष्ठा जगत, प्राथमिक शाला पिताईपाली से नीता अजगल्ले, प्राथमिक शाला बिजराभांठा से रोहन पटेल, प्राथमिक शाला गिधली से खिलेश साहू एवं एकलव्य विद्यालय भंवरपुर से पायल खूंटे का चयन हुआ है। विद्यार्थियों के चयन में मार्गदर्शक शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इन सभी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा, समस्त शिक्षकगण एवं अभिभावकों ने हर्ष जताया है। यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे ने अपने संदेश में कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत,शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और क्षेत्र का

नाम रोशन करेंगे।आगे उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालय देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक उज्ज्वल मंच प्रदान कर रहे हैं। नवोदय विद्यालय में विद्यार्थियों को निःशुल्क आवास,भोजन,पुस्तकें, गणवेश एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं,जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकें। सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर ने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय देश के ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है। नवोदय विद्यालयों में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक की शिक्षा सीबीएसई पाठ्यक्रम के अंतर्गत दी जाती है। विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव ने नवोदय विद्यालय के बारे में बताते हुए कहा कि नवोदय विद्यालयों की विशेषता उनकी आवासीय व्यवस्था, अनुशासित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं समग्र विकास पर विशेष ध्यान होता है। विकासखंड बसना से 14 बच्चों का चयन होने पर संकुल समन्वयक आरिफ बेग, डिजेंद्र कुर्रे, वारिस कुमार, गजेंद्र नायक, त्रिकांत बाघ, संतराम बंजारा, सुरेश नंद, जिला शैक्षिक एवं विज्ञान परिषद के प्रेमचंद साव, एफएलएन नोडल शरण कुमार दास, विजय कुमार धृतलहरे सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं, समन्वयक, प्राचार्य, प्रधान पाठक सहित अन्य लोगों ने हर्ष जताया है।

स्कूलों की बदहाली पर जनपद उपाध्यक्ष का कड़ा रुख, डीईओ को सौंपा ज्ञापन

महासमुंद। जब जनप्रतिनिधि स्वयं धरातल पर जाकर निरीक्षण करते हैं, तभी व्यवस्था की कमियां उजागर होती हैं। जर्जर शिक्षा के मंदिर और शौचालयों की खराब स्थिति न केवल विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि यह 'स्वच्छ भारत' और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों की सफलता में भी बाधक है। जनपद पंचायत महासमुंद की उपाध्यक्ष हुलसी जितेंद्र चंद्राकर ने क्षेत्र के विद्यालयों की बदहाल स्थिति को

लेकर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) से मुलाकात कर एक महत्वपूर्ण पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने शिक्षा व्यवस्था के बुनियादी ढांचे में सुधार की पुरजोर मांग की है।

हुलसी ने हाल ही में अपने क्षेत्र के विभिन्न शासकीय स्कूलों का सघन दौरा किया था, जहां उन्होंने जमीनी हकीकत का जायजा लिया। इस निरीक्षण के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि क्षेत्र के अनेक विद्यालय भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में हैं, जिससे वहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं और कार्यरत शिक्षकों की सुरक्षा पर हर वक्त खतरा मंडराता रहता है। साथ ही उपाध्यक्ष ने स्कूलों में शौचालयों की दयनीय स्थिति पर भी गहरी नाराजगी व्यक्त की और बताया कि कई स्थानों पर शौचालय न केवल जर्जर हैं बल्कि उपयोग के लायक भी नहीं रह गए हैं, जिसका सीधा असर विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं के स्वास्थ्य और उनकी नियमित उपस्थिति पर पड़ रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपे गए पत्र में उन्होंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण का होना भी अनिवार्य है। उन्होंने विभाग से मांग की है कि जर्जर भवनों का तत्काल तकनीकी आंकलन कराया जाए और प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य हेतु बजट स्वीकृत किया जाए ताकि भविष्य में किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। चंद्राकर की इस सक्रिय पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है और अब सबकी नजरें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

किडनी डायलिसिस उपलब्ध | लेटेस्ट 96 स्लाइस सी. टी. स्कैन मशीन | सर्वसुविधायुक्त ICU & NICU | डिजिटल एक्स-रे, सोनोग्राफी की सुविधा | सभी प्रमुख ऑपरेशन की सुविधा

दिमाग, रीढ़ की हड्डी एवं नसों के रोगों के सुप्रसिद्ध
न्यूरो एक्सपर्ट
डॉ. वैभव धवली
MBBS, MS, MCh (Neurosurgery)

- मिर्गी के दोरे
- माइग्रेन (सिर दर्द)
- दिमाग में पानी भरना
- ब्रेन हेमरेज
- तंत्रिका तंत्र
- दिमाग की चोट
- दिमागी बुखारी
- मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में चोट
- कमर व गर्दन में दर्द
- स्ट्रोक / लकवा
- स्लिप डिस्क / साईटिका
- चलने में लड़खड़ाहट
- मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर
- दिमाग में खून का थक्का जमना

नवीनतम तकनीकों द्वारा ब्रेन एवं स्पाइन से सम्बंधित बीमारियों का इलाज
प्रतिदिन उपलब्ध

AGRAWAL NURSING HOME MULTISPECIALITY HOSPITAL
अग्रवाल नर्सिंग होम
बसना, जिला-महासमुंद (छ.ग.)
84618-11000, 77708-68473, 77730-86100
TPA, CGHS की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

मशहूर जोकर दुलार सागर का निधन, कला जगत में शोक की लहर

बसना। क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकार एवं जेवरा गम्मत पार्टी के मशहूर जोकर दुलार सागर का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। उन्होंने रायपुर के बालाजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। दुलार सागर अपनी अनोखी कला और हास्य अभिनय के लिए जाने जाते थे। वे जेवरा गम्मत पार्टी में जोकर का किरदार निभाकर लोगों का भरपूर मनोरंजन करते थे। उनके मंच पर आते ही दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती थी और उनका अभिनय लोगों के दिलों में बस जाता था। बताया जा रहा है कि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें रायपुर के बालाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही कला प्रेमियों, स्थानीय नागरिकों और साथियों में गहरा दुख व्याप्त है। क्षेत्र के लोगों ने उन्हें एक सरल, मिलनसार और प्रतिभाशाली कलाकार बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। दुलार सागर का इस तरह अचानक चला जाना कला क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति है। उनका योगदान और उनकी यादें हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगी।

व्यक्ति के चरित्र का निर्माण कर राष्ट्र को सुदृढ़ बनाना ही संघ का कार्य : उमेश

राष्ट्र निर्माण के 'पंच परिवर्तन' संकल्प के साथ आचार्य चाणक्य शाखा ने मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आचार्य चाणक्य युवा व्यवसायी प्रभात शाखा द्वारा हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर भव्य 'नववर्ष उत्सव एवं आद्य सरसंघचालक प्रणाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के इस मांगलिक अवसर पर युवा व्यवसायियों और स्वयंसेवकों ने राष्ट्र सेवा और सामाजिक समरसता का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता खंड बौद्धिक शिक्षण प्रमुख उमेश भारती गोस्वामी ने बताया कि आज का दिन न केवल सृष्टि के आरंभ और नव संवत्सर का प्रतीक है, बल्कि यह संघ के संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार का अवतरण दिवस है। उन्होंने बताया कि ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना आज ही के दिन की थी। मर्यादा पुरुषोत्तम रामचंद्र का राज्याभिषेक, युधिष्ठिर संवत का प्रारंभ आज ही के दिन हुआ। आज ही के दिन सम्राट विक्रमादित्य द्वारा विदेशी आक्रमणकारी शकों को पराजित कर भारत को मुक्त कराया था और विक्रम संवत का प्रारंभ हुआ था।

शक्ति की भक्ति नवरात्र पर्व का प्रारंभ आज से ही प्रारंभ होता है। सिंधी समाज के इष्टदेव वरुण देव के अवतार संत झूलेलाल और सिखों के दूसरे गुरु अंगद देव का जन्म तथा स्वामी दयानंद द्वारा आर्य समाज की स्थापना आज ही के दिन किया गया था। शालिवाहन द्वारा विदेशी

आक्रांताओं हूणों व शकों को परास्त कर बिखरते भारत को एकता के सूत्र में पिरोकर श्रेष्ठ भारत के निर्माण की नींव आज ही दिन रखी गई थी और इसी दिन से शक संवत का प्रारंभ हुआ जो आज राष्ट्रीय कैलेंडर है। मुख्य वक्ता गोस्वामी ने आद्य सरसंचालक प्रणाम के विषय में बताया कि यह स्वयंसेवक के भीतर राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, त्याग और अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान की भावना को जीवित रखने का एक पवित्र संस्कार है, यह शक्ति व भक्ति का मिलन बिंदु है जहां व्यक्ति स्वयं को राष्ट्र के महान कार्यों में विलीन कर देता है। संघ शताब्दी वर्ष पर मुख्य वक्ता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना आज से 100 साल पहले 1925 में की गई थी। संघ स्थापना का प्रमुख उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित और अनुशासित करने के साथ-साथ व्यक्ति के चरित्र का निर्माण कर राष्ट्र को सुदृढ़ बनाना है और डॉ हेडगेवार ने इसके लिए एक अभिनव पद्धति शाखा का आविष्कार किया। संघ के शताब्दी वर्ष में समाज के साथ मिलकर विजयादशमी उत्सव, गृह संपर्क अभियान, हिंदू सम्मेलन, सामाजिक सद्भाव बैठक, प्रमुख जन गोष्ठी सहित युवाओं और शालेय विद्यार्थियों के कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ आद्य सरसंघचालक प्रणाम व केशव अर्चना के साथ हुआ। सुभाषित, अमृत वचन व एकल गीत के पश्चात मुख्य वक्ता का बौद्धिक प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में खंड कार्यवाह राजेश डड़सेना, विभाग धर्म जागरण के विपिन शर्मा, जिला जनजातीय कार्य के चेतन ठाकुर, गौ सेवा आयोग के जिला अध्यक्ष नीलेश पटेल, जिला व्यवस्था प्रमुख संतोष ध्रुव, जिला सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख राधेश्याम सोनी, रामेश्वर साहू, कुणाल चंद्राकर, जैनेंद्र चंद्राकर, मनीष श्रीवास्तव, संजय यादव, रमेश सहिस, पीयूष साहू, राधेश्याम साहू, विनय सिन्हा, आकाश पांडे, आकाश प्रजापति, त्रिवेदी महाराज, धीरेंद्र सिन्हा, सुदेश कन्नौजे सहित आचार्य चाणक्य युवा व्यवसायी शाखा स्वयंसेवकों की सहभागिता बड़ी संख्या रही।

महासमुंद के विभिन्न ग्रामों में मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के शिविर लगे

300 से अधिक उपभोक्ताओं ने कराया पंजीयन, समस्याओं का भी निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के संभागीय कार्यालय द्वारा राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना' (एमबीबीएस 2026) के क्रियान्वयन के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के विभिन्न वितरण केंद्रों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में शिविर लगाकर उपभोक्ताओं की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया।

इन क्षेत्रों में लगे शिविर

विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गोपालपुर, भोरिंग, खम्हरिया, बागबाहरा, मुनगासेर, मचेवा और कोमाखान सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों में समाधान शिविरों का आयोजन हुआ। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहरी उपभोक्ता अपनी बिजली संबंधी

समस्याओं और बकाया बिलों के निपटान के लिए पहुंचे।

योजना के लाभ और सुविधाएं

शिविर के दौरान विभागीय अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को योजना की बारीकियों से अवगत कराया। महासमुंद संभाग के कार्यपालन अभियंता पीआर वर्मा से मिली जानकारी के अनुसार योजना के तहत पुराने बकाया बिजली बिलों पर विशेष छूट दी जा रही है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए आसान किस्तों में भुगतान का विकल्प दिया गया है। मौके पर ही पंजीयन कर उपभोक्ताओं को संशोधित बिल और भुगतान की समय-सीमा की जानकारी दी जा रही है।

आयोजित शिविरों में उपभोक्ताओं ने उत्साह दिखाया

152 बीपीएल (बीपीएल) उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया। 134 घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराया। 46 कृषि उपभोक्ताओं ने भी बकाया राशि के समाधान हेतु आवेदन किया। महासमुंद संभागीय कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस मंशा के अनुरूप कि अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचे, ये शिविर आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने शेष उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आगामी शिविरों में पहुंचकर अपने बिजली बिलों के बकाया का सम्मानजनक समाधान कराएं और भविष्य में होने वाली किसी भी अप्रिय विच्छेदन की कार्रवाई से बचें।

संघ ने प्रतिपदा हिन्दू नववर्ष उत्सव मनाया

महासमुंद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर में केशव प्रभात शाखा, आचार्य चाणक्य बस्ती, स्थान राज्य परिवहन कार्यालय बीटीआई रोड के पीछे मैदान में संघ द्वारा वर्ष प्रतिपदा हिंदू नववर्ष उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मंचस्थ जिला संघचालक महेश चंद्राकर, नगर संघचालक भूपेंद्र राठौड़, प्रांत सह कार्यवाह घनश्याम सोनी, मुख्य वक्ता डॉ. विमल चोपड़ा उपस्थित थे। सर्वप्रथम आद्य सरसंघचालक प्रणाम किया गया, जिसके पश्चात ध्वजारोहण के साथ ही मुख्य अतिथियों का परिचय हुआ। अमृत वचन व एकल गीत के पश्चात मुख्य वक्ता डॉ. विमल चोपड़ा ने कहा चैत्र शुक्ल एकम व विक्रम संवत 2083 नये वर्ष का प्रथम दिवस है। यह वर्ष प्रतिपदा नववर्ष उत्सव पूरे देश में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जहां तक प्रकृति का प्रश्न है इस अवसर पर स्वयं ही नूतनता के परिवेश में डूबी होती है। बसंत के बाद का सुहावना मौसम चारों ओर छाया होता है। आज ही के दिन भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की, अपने देश में प्रचलित विक्रम संवत इसी दिन से प्रारंभ हुआ। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का राज्याभिषेक इसी दिन हुआ। महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना इसी दिन की। सिंध प्रांत के समाज रक्षक संत झूलेलाल का जन्म दिन भी वर्ष प्रतिपदा है। इसी दिन आसुरी शक्ति का संहार करने देवी माँ के आगमन के साथ ही नवरात्रि प्रारंभ हुई। गुरु अंगददेव का जन्म इसी दिन हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार का जन्म 1889 को इसी दिन हुआ। चोपड़ा ने कहा कि डॉ हेडगेवार जन्म से ही देशभक्त रहे। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर पहुंचाने के लिये सन 1925 को नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की व कुछ ही स्वयंसेवकों के साथ ही शाखा प्रारंभ की। शाखा के माध्यम से उन्होंने अकल्पनीय संगठन का निर्माण किया, जिससे हिन्दू समाज संस्कारित व संगठित होकर आक्रमणकारियों को जवाब दे सके। डॉ. हेडगेवार ने शाखा के साथ ही भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया, असहयोग आंदोलन में रहे, जेल भी गये। शाखा के द्वारा व्यक्ति निर्माण के कार्य में लगे रहें। संघ प्रार्थना के साथ ही कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत, उपभोक्ता हो रहे परेशान

पिथौरा (ग्रामीण)। शासन-प्रशासन के बड़े-बड़े दावों के बावजूद क्षेत्र में एलपीजी गैस सिलेंडर की भारी कमी अब साफ तौर पर नजर आने लगी है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि छोटे होटल, ठेले और चाय दुकान संचालकों की रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ रहा है। कई छोटे कारोबार प्रभावित हो चुके हैं, जबकि बड़े होटल और रेस्टोरेंट भी बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं।

जानकारी के अनुसार इस सप्ताह इंडेन गैस के दो ट्रक सिलेंडर पहुंचे थे, लेकिन वितरण व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। नियमित उपभोक्ता जहां अपने बुकिंग नंबर का इंतजार करते रह गए, वहीं बिना नंबर वाले उपभोक्ता गोदाम पहुंचकर मिस कॉल और ओटीपी के माध्यम से तत्काल सिलेंडर प्राप्त कर ले गए। नतीजतन, जिन उपभोक्ताओं ने 10-15 दिन पहले बुकिंग कराई थी, उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब उपभोक्ताओं को गोदाम से सिलेंडर लाने के लिए कहा गया, लेकिन वहां भी स्टॉक खत्म मिला।

गरीब एवं मध्यम वर्ग के लिए सस्ती दर, सुरक्षित एवं वैध कॉलोनियों में आवास उपलब्ध कराया जाएगा

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन के आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा किफायती जन आवास नियम 2025 को राज्यभर में लागू किया गया है। इस नियम का उद्देश्य गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों को सस्ती दरों पर व्यवस्थित, सुरक्षित एवं वैध कॉलोनियों में आवास उपलब्ध कराना है। सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश संजू लाल सिंघ ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत छोटे भू-स्वामी भी लाभान्वित होंगे। जिनकी भूमि अधिकतम 2 एकड़ तक है, वे किफायती आवास योजना के तहत कॉलोनी विकसित कर सकेंगे। इसके लिए भूमि का न्यूनतम क्षेत्रफल 2 एकड़ एवं अधिकतम 10 एकड़ निर्धारित किया गया है। वहीं कॉलोनियों में विकसित किए जाने वाले भू-खंडों का आकार 90 वर्ग मीटर से 150 वर्ग मीटर तक रखा गया है, जिससे मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए आवास सुलभ हो सके। नियम के लागू होने से राज्य में अवैध प्लाटिंग पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा तथा अवैध कॉलोनियों को वैध बनाने की प्रक्रिया भी सरल होगी। इससे आम नागरिकों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी और शासन को राजस्व हानि से भी बचाया जा सकेगा।

मूल खल्लारी शक्ति पीठ बेमचा में मनोकामना ज्योत प्रज्वलित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

सिद्ध मूल खल्लारी मंदिर बेमचा में आज शुभ मुहूर्त में मनोकामना ज्योति प्रज्वलन हुआ। भाजपा जिला कोषाध्यक्ष राहुल चंद्राकर, जनपद सदस्य संगीता राहुल चंद्राकर सहित मंदिर समिति के संरक्षक द्वारिका प्रसाद चंद्राकर, भरत चंद्राकर, रामस्वरूप चंद्राकर, अध्यक्ष रमेश चंद्राकर, दिलीप चंद्राकर, भोलाराम चंद्राकर, मनोज कहार, रिखी साहू, मीडिया प्रभारी रविकांत चंद्राकर, ठाकुर राम साहू, रामायण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र चंद्राकर, चंद्रहास चंद्राकर, बृजेश चंद्राकर, आदर्श चंद्राकर, संतोष चंद्राकर परस चंद्राकर, जितेंद्र साहू, सुकालू निषाद, मेहतर निषाद रामलाल चंद्राकर, लखनू निर्मल कर, हरिश्चंद्र बैगा एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिकगण ज्योत प्रज्वलन में सम्मिलित हुए।

विदित हो कि खल्लारी मंदिर बेमचा को मूल खल्लारी के रूप में माना जाता है। यहां मनोकामना ज्योति प्रज्वलित करने से सभी मनोकामना पूर्ण होती है। इस वर्ष भक्तों द्वारा 600 से अधिक ज्योति प्रज्वलित की गई है। अब पूरे नवरात्र के 9 दिनों तक विभिन्न भक्तिमय कार्यक्रमों सहित माता सेवा जसगीतों के माध्यम से होगी। उन्होंने बताया कि पूरे 9 दिनों तक बेमचा स्थित खल्लारी मंदिर परिसर में मेले जैसा माहौल रहता है। ग्राम बेमचा सहित महासमुंद व आसपास के ग्रामों से हजारों लोग माता के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं तथा मनोकामना ज्योत जलाकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं। साथ ही चैत्र पूर्णिमा 2 अप्रैल को खल्लारी मेला महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें हाट बाजार के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा भी बिखरेगी।

सोनई-रूपई मंदिर में चैत्र नवरात्र में इस बार 301 मनोकामना ज्योत प्रज्ज्वलित

महासमुंद। ग्राम खट्टी स्थित माता सोनई-रूपई मंदिर में चैत्र नवरात्र में इस बार 301 मनोकामना ज्योत प्रज्ज्वलित किए गए हैं। प्राकृतिक वादियों में बसा माँ सोनई-रूपई का द्वार क्षेत्रवासियों के लिए प्रमुख आस्था का केंद्र है। यहां मंदिर समिति के सदस्यों व क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा प्रति वर्ष बढ़-चढ़कर माता सेवा में शामिल हो रहे हैं। मंदिर समिति के सदस्यों ने लगभग 20-25 वर्ष पूर्व पहाड़ी के उपर मंदिर निर्माण के पहले उबड़-खाबड़ जगह को समतल कर ज्योत जलाना प्रारंभ किया था। आज पहाड़ी के ऊपर माता स्थापना स्थल पर भव्य मंदिर का निर्माण किया जा चुका है। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर सोनई-रूपई माता के मंदिर में वर्ष भर भक्तों का तांता लगा रहता है। चैत्र नवरात्र व क्वांर नवरात्र में भक्तों की भीड़ माता के दर्शन हेतु उमड़ पड़ते हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष होरीलाल साहू सहित प्रमुख पदाधिकारी कमलेश ध्रुवंशी, फत्तेलाल साहू, आनंदी निषाद, रानू साहू, रामा निषाद, हिरामन, उत्तम, हेमलाल, नंदू आदि पूरे नौ दिनों तक माता की विशेष पूजा के लिए उपस्थित रहते हैं।

मां अन्नपूर्णा महाकाली मंदिर में भाजपा जिलाध्यक्ष ने जलाई मनोकामना ज्योति

महासमुंद। ग्राम अमेठी स्थित सिद्ध शक्ति पीठ पहाड़ों वाली माता अन्नपूर्णा महाकाली मंदिर में नवरात्र प्रारंभ पर ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। मनोकामना ज्योति का प्रज्ज्वलन मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू द्वारा माता की पूजा-अर्चना कर की गई। साहू ने माँ अन्नपूर्णा महाकाली की पूजा कर क्षेत्र की खुशहाली व किसानों की समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। पश्चात उन्होंने मनोकामना ज्योत जलाई। साहू ने कहा कि क्वांर नवरात्र में भक्तों द्वारा मंदिरों में आस्था के ज्योत जलाए जाते हैं। यह माता के प्रति अपार भक्ति व साधना का जीवंत प्रतीक है। इस अवसर पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आनंद साहू, आचार्य विमल कुमार दुबे, डॉ. शेषनारायण गुप्ता, बिहारी लाल चंद्राकर, सुशील कुमार ध्रुव, विष्णु निषाद, देव सिंह नेताम, विजय कुमार यादव, लक्ष्मी बाई मरकाम, बंता बाई नेताम, कुमेश्वरी बाई नेताम, परमेश्वर ध्रुव, आरती यादव, सपना ध्रुव, बसंती नेताम, रोहन मरकाम, गंगा बाई नाग, कुमारी नाग, सरस्वती नेताम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व भक्तजन उपस्थित थे।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic | Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पोंडिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

फनेश्वर व नैतिक का नवोदय में हुआ चयन

सरायपाली। किशोर पब्लिक अंग्रेजी माध्यम स्कूल कलेण्डा तोरेसिंहा में पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी कक्षा पांचवी के दो विद्यार्थियों फनेश्वर साहू और नैतिक राज का जवाहर नवोदय विद्यालय परीक्षा में चयन हुआ है। निश्चित रूप से इनके सफलता का श्रेय उनके माता-पिता का सहयोग, शिक्षक, शिक्षिकाओं के कड़ी मेहनत से स्कूल को गौरवान्वित और नाम रोशन किया है। इससे शाला परिवार में हर्ष व्याप्त है। विद्यालय के संचालक किशोर बाघ और प्राचार्य एनएस तांडी ने हर्ष जताया है।

शालाओं में बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने समीक्षा बैठक आयोजित

महासमुंद। शालाओं में बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हेमंत नंदनवार की अध्यक्षता में समग्र शिक्षा की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित हुई। जिसमें जिले के सभी विकासखंडों के बीआरसीसी, बीआरपी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सीईओ नंदनवार ने प्रत्येक ब्लॉक में संकुल स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षकों की टीम गठित करने के निर्देश दिए, ताकि छात्रों के अधिगम स्तर में प्रभावी सुधार किया जा सके। उन्होंने मेंटर शिक्षकों के चयन, छात्रों का अधिगम आधारित वर्गीकरण तथा संकुल समन्वयकों के दायित्व निर्धारण जैसी तैयारियां अप्रैल माह तक पूर्ण करने को कहा, जिससे लक्ष्य महासमुंद विशेष अभियान स्कूल खुलते ही प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने सभी बीआरसीसी को गुणवत्तापूर्ण मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने, अपार आईडी एवं यू-डाइस डाटा का शत-प्रतिशत संधारण पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।
बैठक में समग्र शिक्षा के एपीसी विद्या साहू, संपा बोस, सुबोध कुमार तिवारी सहित सरायपाली, बसना, पिथौरा, बागबाहरा एवं महासमुंद के बीआरसीसी, अकाउंटेंट आदि मौजूद रहे।

निधन

कमल नारायण साहू

महासमुंद। समीपस्थ ग्राम मचेवा स्थित सुरभि विहार कॉलोनी निवासी मंडी उपनिरीक्षक कमल नारायण साहू का सड़क हादसे में बुधवार को आकस्मिक निधन हो गया। वे खिलेंद्र साहू, गजेंद्र साहू के पिता थे। अंतिम संस्कार दोपहर 12 बजे मुक्तिधाम में किया गया है।

उकिया बाई चक्रधारी

नर्रा। ग्राम परसुली निवासी उकिया बाई चक्रधारी 75 वर्ष का आकस्मिक निधन 18 मार्च बुधवार को गया। उनकी अंतिम यात्रा में परिजन व समाज के लोग शामिल हुए। वे कपूरचंद उपसरपंच परसुली एवं आनंदराम चक्रधारी अध्यक्ष शाला प्रबंधन विकास समिति परसुली की मां थी।

वनाधिकार पत्र मिलने से बद्रिका कमल सिंह बने आत्मनिर्भर कृषक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

पिथौरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम सुखीपाली के

ट्रैक्टर खरीदा, बोर खुदवाया और अब लेने लगे हैं दो फसल

कृषक बद्रिका कमल सिंह पटेल वर्षों से वन भूमि पर कृषि कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे, लेकिन भूमि पर वैधानिक अधिकार न होने के कारण उन्हें कई शासकीय योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा था। वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत ग्राम स्तर पर उनका दावा फॉर्म भरवाया गया, जिसे उपखंड स्तरीय वन अधिकार समिति द्वारा परीक्षण के पश्चात पारित किया गया और जिला स्तरीय वन अधिकार समिति से अनुमोदन मिलने के बाद उन्हें 2.35 हेक्टेयर भूमि का वनाधिकार पत्र प्रदान किया गया।

वनाधिकार पत्र मिलने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हुई। अब उन्हें अपनी फसल का उचित मूल्य मिलने लगा है, साथ ही शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य का भी लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त उन्हें खाद, बीज तथा किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधाएं सहज रूप से मिलने लगी हैं और वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से भी लाभान्वित हो रहे हैं। कृषि को और सुदृढ़ बनाने के लिए उन्होंने अपने खेत में बोरवेल खुदवाया, जिससे सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था हो गई। पानी की उपलब्धता बढ़ने से अब वे दो फसलें लेने लगे हैं, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आर्थिक स्थिति में सुधार होने के साथ उन्होंने ट्रैक्टर भी खरीदा, जिससे कृषि कार्य सरल और आधुनिक हो गया है। आज बद्रिका कमल सिंह पटेल आत्मनिर्भर किसान बन चुके हैं, साथ ही उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाकर अन्य किसानों के लिए प्रेरणा भी बन रहे हैं। वनाधिकार पत्र ने उन्हें एक नई पहचान, स्थायित्व और आत्मसम्मान प्रदान किया है। शासन की इस योजना से लाभान्वित होकर वे पूरी तरह संतुष्ट हैं और अपने जीवन में आए इस परिवर्तन को गर्व के साथ अनुभव कर रहे हैं।

शुरुआत : नगर पालिका अध्यक्ष ताम्रध्वज बघेल ने किया भूमिपूजन

बागबाहरा में 33 लाख लागत से हो रहे विकास कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बागबाहरा

नगर पालिका परिषद, बागबाहरा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न वार्डों में 33 लाख लागत से बन रहे विकास कार्यों का भूमिपूजन नगर पालिका अध्यक्ष खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल व पार्षद के द्वारा हुआ। वार्ड क्र. 04 में कुंदकेश्वर महादेव मंदिर से लालपुर सीसी रोड निर्माण कार्य 10.34 लाख, वार्ड क्र. 05 में अशोक होटल से चौहान घर तक, राजा तांडी घर से मुख्य नाली तक, सोहन घर से शकुन घर तक, मुर्रा फैक्ट्री से मेन नाली तक, पाल बाबू घर से मेन नाली तक आरसीसी नाली निर्माण 6.30 लाख, वार्ड क्र. 06 में हरिसिंह घर से बृजभान घर तक नाली निर्माण 3 लाख, वार्ड क्र. 06 में डीला साहू घर से कुमार घर तक आरसीसी नाली 4.27 लाख, वार्ड क्र. 11 में कमलेश बघेल घर से नया चंडी मार्ग तक

आरसीसी नाली निर्माण - 5.51 लाख, वार्ड क्र. 11 में पानी टंकी के पास शेड निर्माण कार्य 4.01 लाख का भूमिपूजन विधि-विधान के साथ व मंत्रों उच्चारण के साथ हुआ।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल ने कहा कि आज 33 लाख के लागत के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। नगर में सड़क और आरसीसी नाली के निर्माण से मोहल्लेवासियों को जल निकासी की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही सड़क बनने से आवागमन सुगम और सुविधाजनक होगा। नगर में विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। नगर की बेहतरी और निवासियों की सहूलियत के लिए हर वार्ड में लगातार काम चल रहा है। पालिकाध्यक्ष बघेलने कहा कि नगर का चहुंमुखी विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। शहर में जहां भी नाली और सड़क की आवश्यकता है, यह कार्य प्राथमिकता से कराया जा रहा है। पालिकाध्यक्ष ने ठेकेदार से कहा कि निर्माण गुणवत्ता के साथ से कराएं। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष देवेश साहू पार्षद, शैलेश साहू, सविता दीवान, मेनका साहू, प्रीति गुप्ता, रमेश ठाकुर, थानुराम पांडे, प्रेम साहू सहित नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे।

राटापाली में मूलभूत सुविधाओं को लेकर कलेक्टर जनदर्शन में पहुंची सरपंच पूर्णिमा, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्रा

जनपद पंचायत बागबाहरा के अंतिम

- पेयजल समेत अनेक मांगों को लेकर कराया ध्यानाकर्षित

छोर ओडिशा सीमा से लगे ग्राम पंचायत राटापाली में मूलभूत सुविधाओं को लेकर वहां के सरपंच पूर्णिमा सोनवानी इस पंचायत के विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय कलेक्टर जनदर्शन में पहुंची। जहां सरपंच सोनवानी ने लाइन में लगकर कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए बताया कि ग्राम पंचायत राटापाली के मुख्य मार्ग कच्ची सड़क दूरी लगभग दो किलो मीटर नर्रा से राटापाली को जोड़ती है। यह सड़क कच्ची मिट्टी युक्त पूरी तरह से जर्जर व बरसात के दिनों में आवागमन के लिए भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। यही कीचड़युक्त सड़क पार कर यहां के बच्चे नर्रा स्कूल शिक्षा ग्रहण करने जाते है। इस गांव में पेयजल की संकट व समस्या गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। वहां के ग्रामीणों ने जोंक नदी के झरिया पानी पीने को मजबूर थे। इस गांव के आबादी लगभग 800 लगभग साढे तीन सौ घर पेयजल की संकट इस गांव में शासन ने लाखों रुपये खर्च कर नलजल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण एवं पाइप लाइन का विस्तार कराया गया है। किंतु, विभाग द्वारा पानी सप्लाई के लिए वहां पर बोर खनन हीं नही किया गया है। राटापाली का भूजल ड्राइ एरिया के कारण जोंक नदी से सबमर्सिबल पंप से पानी की सफ्लाई कर ग्रामीण प्यास बुझाते है। इस पंचायत के आश्रित ग्राम झलमला के बाल आंगनबाड़ी केंद्र भवन जर्जर हो गया है। बरसात में छत से पानी टपकता है। वहां के शौचालय भी जर्जर व नवीन भवन और शौचालय अति अवश्यकता है।

अरंड में शोभायात्रा के साथ हुआ अखंड रामायण का समापन

अरंड (पिथौरा)। ग्राम अरंड में त्रिदिवसीय अखंड रामायण का समापन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र के शोभायात्रा के साथ हुआ। अखंड मानस गान समारोह 15 मार्च को कलश यात्रा वगौरी पूजा से प्रारंभ होकर 18 मार्च को शोभा यात्रा के साथ हुआ। कौतुक पटेल ने बताया कि त्रिदिवसीय मानस गान समारोह में कुल 29 मानस मंडलियों ने भाग लिया। तीनों दिवस मंडली व श्रोताओं के लिए कौशल्या भंडारा का आयोजन किया गया था। सभी मंडलियों को दूरी अनुसार सम्मान राशि भेंट किया गया। अंतिम दिवस श्रोताओं की अच्छी भीड़ रही। प्रमुख

मंडलियों में दुर्गा मानस परिवार तुमसा, गीतांजलि मानस परिवार आरंग राघवेंद्र मानस मंडली मुड़गाव स्मरण मानस परिवार कोदकरा, शिकारीपाली बागबाहरा, लाखागढ़, तुरेंगा, दुर्गापाली, बोईरलामी, ख़ुटेरी, तेंदूवाही नयापारा आदि थे। कार्यक्रम में शिवचरण ध्रुव, गंगाधर निर्मलकर, सरपंच डिगंबर पटेल, कार्तिक पटेल, युवराज पटेल, देवराज ठाकुर, भरत दीवान, कन्हैया ध्रुव, भोज ध्रुव, मन्नू ठाकुर, बसंत पटेल आदि का सहयोग रहा।

कोदोपाली में श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूकोना

समीप के ग्राम कोदोपाली में मंगल कलश यात्रा के साथ सप्तदिवसीय श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन ग्राम कोदोपाली में नर्मदा प्रसाद दुबे परिवार एवं समस्त ग्रामवासी द्वारा 18 मार्च से 25 मार्च तक चलेगा। इस दौरान भगवान के विभिन्न 24 अवतारों की कथा विस्तृत रूप से कथा व्यास पंडित दयालु प्रसाद दुबे द्वारा श्रवण कराया जाएगा। गुरुवार को ग्राम में भव्य मंगल कलश यात्रा निकालकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें मातृशक्ति का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर अधिक संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

समाधान योजना अंतर्गत 30 जून तक कर सकते हैं पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

सरायपाली विद्युत संभाग अंतर्गत कुल 28, 655 बीपीएल विद्युत कनेक्शनधारियों पर लगभग 49 करोड़ रुपए का बकाया है। समाधान योजना के तहत निर्धारित समय सीमा में पंजीयन कर शेष राशि का भुगतान करने पर इन्हें 42.33 करोड़ रुपए तक की छूट मिलेगी और मात्र 7.05 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। मुख्यमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना का सर्वाधिक लाभ छुईपाली, बलौदा, पाटसेंद्री, बसना ग्रामीण, सरायपाली ग्रामीण, गढ़फुलझर एवं भंवरपुर वितरण केंद्रों के ग्रामीण उपभोक्ताओं को मिलेगा। विभाग द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है।

योजना के अंतर्गत निष्क्रिय बीपीएल उपभोक्ताओं को मूल बकाया में 75 प्रतिशत तथा अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। वहीं निष्क्रिय घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को मूल बकाया में अधिकतम 50 प्रतिशत एवं अधिभार में 100 प्रतिशत तक छूट का प्रावधान है। शेष राशि का भुगतान अधिकतम 6 किस्तों में किया जा सकता है, हालांकि किस्तों के साथ छूट का प्रतिशत क्रमशः कम होता जाएगा। सरायपाली विद्युत संभाग के कार्यपालन अभियंता टीके पटेल ने बताया कि योजना में पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। उपभोक्ता केवल बीपी नंबर एवं मोबाइल नंबर के माध्यम से मोर बिजली बिल एप या नजदीकी विद्युत कार्यालय में पंजीयन कर सकते हैं। जागरुकता एवं पंजीयन के लिए बुधवार से प्रत्येक वितरण केंद्र में साप्ताहिक बाजार एवं बड़े गांवों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ दिलाने हेतु सहयोग की अपील की गई है।

उन्होंने बताया कि सरायपाली बिजली संभाग के 12 वितरण केंद्रों में छुईपाली वितरण केंद्र में सर्वाधिक 4, 800 बीपीएल उपभोक्ता हैं, जिन पर 8.02 करोड़ रुपए बकाया है। समय पर 1.04 करोड़ रुपए जमा करने पर इन्हें 6.99 करोड़ रुपए की छूट मिलेगी। वहीं बलौदा वितरण केंद्र में 3, 842 उपभोक्ताओं पर 6.95 करोड़ रुपए बकाया है, जहां मात्र 95 लाख रुपये जमा करने पर 6 करोड़ रुपए की छूट मिलेगी। इसी प्रकार बसना ग्रामीण वितरण केंद्र में 3, 738 उपभोक्ताओं पर 7.10 करोड़ रुपए बकाया है, जिसमें 1.04 करोड़ रुपए जमा करने पर 6.05 करोड़ रुपये की छूट प्राप्त होगी।

कार्यपालन अभियंता ने बताया कि लगभग 80 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बिजली कनेक्शन लेने के बाद से एक बार भी बिल का भुगतान नहीं किया गया है। योजना के अनुसार उन्हें अधिकतम 30 यूनिट प्रतिमाह खपत की छूट दी गई थी। इससे अधिक खपत पर बिल का भुगतान करना था जो नहीं किया गया। बीपीएल कनेक्शन में बेसिक सुविधा के लिए इस्तेमाल किया जाना था पर इसके अतिरिक्त अन्य उपकरण का भी इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने बताया कि समाधान योजना के बाद भी यदि उपभोक्ता बकाया नहीं चुकाते हैं, तो उनके बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जाएगी। इसलिए समय रहते पंजीयन कर योजना का लाभ लेना आवश्यक है। उपभोक्ता मोर बिजली बिल मोबाइल एप के माध्यम से स्वयं भी अपने बिजली बिल का भुगतान कर सकते हैं। विभाग द्वारा गांव-गांव में शिविर लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ता इस लाभकारी योजना का फायदा उठा सकें।

माता मातंगी शक्तिपीठ पहुंचे लोकेश

महासमुंद। खल्लारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम एमके बाहरा (मरार कसही बाहरा) में लोकेश चंद्राकर व आकाश सोनी पहुंचे। वहां स्थित प्रसिद्ध माता मातंगी शक्तिपीठ में चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। नवरात्रि के पावन अवसर पर विधि-विधान से पूजा गुरुदेव मनीष साहू द्वारा ज्योत जलाया गया। माता मातंगी से क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

खैरा में धूमधाम से मनाई गई माता कर्मा जयंती, निकाली गई कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

ग्राम खैरा में साहू समाज के संयुक्त तत्वावधान में माता कर्मा की 1010 वीं जयंती का कार्यक्रम श्रद्धा, आस्था और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, महिलाएं, युवा और नागरिक उपस्थित रहे। सामाजिक भवन में मां कर्मा की आराधना कर शोभायात्रा की शुरुआत की गई। सामाजिक भवन से शीतला मंदिर से गांव के विभिन्न वार्डों में कलश शोभायात्रा निकाली गई।

समाज की महिलाओं और बच्चों ने सिर में कलश लेकर शोभायात्रा को सफल बनाया। शोभायात्रा के दौरान भक्तगण पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए और कर्मा गीत पर नृत्य करते हुए पूरे माहौल को भक्ति में बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निखिलकांत साहू नगर पालिका अध्यक्ष थे। विशेष अतिथि में प्रांशु चंद्राकर सरपंच ग्राम पंचायत खैरा, राकेश चंद्राकर पूर्व जनपद पंचायत सदस्य, उत्तम चंद्राकर उपस्थित थे। इस दौरान अतिथियों ने अपने कर कमलो से माता कर्मा की छायाचित्रों पर पुष्पमाला एवं दीप प्रज्ज्वलित करके समाज की सुख, समृद्धि, उन्नति और भाईचारे की कामना की। साहू समाज के वरिष्ठ सदस्य पूरन साहू ने कहा जिस तरह मां कर्मा ने तेली समाज को आगे बढ़ाने सेवा और

मेहनत की वैसे समाज में एकता, सेवा, समर्पण और सहयोग की जरूरत है। मां कर्मा, रूढ़िवाद और अस्पृश्यता के खिलाफ थी। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि संत माता कर्मा भगवान जगन्नाथ की अनन्य भक्त थी। वे भगवान को पुत्र के रूप में मानकर रोज सुबह बाजरे की गर्म खिचड़ी का भोग लगाते थे। उनके निश्चल भक्ति और प्रेम से प्रसन्न होकर भगवान जगन्नाथ ने साक्षात उन्हें दर्शन दिया और उनके हाथों से खिचड़ी प्रसादी ग्रहण किया। हम सभाग्यशाली हैं, कि महान संत भक्त माता कर्मा की जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन सेवा, भक्ति और समाज कल्याण की भावना से ओत प्रोत है, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक है।

सरपंच प्रांशु चंद्राकर ने माता कर्मा की जीवन उनके आदर्शों और समाज की प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उपस्थित लोगों को उनके बताएं मार्ग पर चलने का संदेश दिया। पूर्व जनपद सदस्य राकेश चंद्राकर ने कहा कि माता कर्मा त्याग, सेवा और समाज के उत्थान की प्रतीक रही है। कार्यक्रम के अंत में समाज को एकजुट बनाए रखना, युवाओं को संगठन में जोड़ने और समाज की परंपराओं एवं संस्कारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। फिर सभी मातृशक्ति एक साथ कलश लेकर गांव भ्रमण किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन साहू समाज के अध्यक्ष भुवनेश्वर साहू ने किया। इस अवसर पर साहू समाज के समस्त सदस्यगण पूरन लाल साहू, भुनेश्वर साहू, आशाराम साहू, भूषण साहू, अमित साहू, निरंजन साहू, लोमस साहू, कृष्ण कुमार साहू, कार्तिक साहू, गोपी साहू, मोहन साहू, विमल साहू, लेख राम साहू, विवेक साहू, गुनेंद साहू, चंद्रकांत साहू आदि मौजूद रहे।